

**2301000102040445**  
**EXAMINATION FEBRUARY-MARCH 2024**  
**BACHELOR OF ARTS (FIRST YEAR)**  
**(SECOND SEMESTER) NON -NEP**  
**SANSKRIT - III – C.C. 3.A LEVEL 4**  
**संस्कृत प्रशिष्ट महाकाव्य –कुमारसम्भवम् –सर्ग 5 कालिदासः।**

[Time: As Per Schedule]

[Max. Marks: 50]

**Instructions:**

**1. Fill up strictly the following details on your answer book**

- a. Name of the Examination : **BACHELOR OF ARTS (FIRST YEAR) (SECOND SEMESTER) NON -NEP**
  - b. Name of the Subject : **SANSKRIT - III – C.C. 3.A LEVEL 4**  
**संस्कृत प्रशिष्ट महाकाव्य –कुमारसम्भवम् –सर्ग 5 कालिदासः।**
  - c. Subject Code No : **2301000102040445**
2. Sketch neat and labelled diagram wherever necessary.  
3. Figures to the right indicate full marks of the question.  
4. All questions are compulsory.

Seat No:

|  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|

Student's Signature

**Q.1 टूंकमां उत्तर आपो. (गमे ते पांय)**

**10**

- (1) "अस्ति कश्चित् वाक्किशेषः?" समजावो.
- (2) "पारणाविधिः" समजावो.
- (3) कालिदासे वषेवा षंड काव्यना नाम वषो.
- (4) पार्वतीये कथं वे वस्तु कोनी पासे थापण तरीके मूडी?
- (5) केटवा पद्योथी शुं वंधाय छे?
- (6) "अपर्णा" शब्द समजावो.
- (7) कमले \_\_\_\_\_, श्रूयते न तु\_\_\_\_\_। प्वावी जग्या पूरो.

**Q.2 A. अनुवाद करो. (गमे ते वे)**

**8**

- (1) तथा समक्षं दहता मनोभवं  
पिनाकिना भग्नमनोरथा सती।  
निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती  
प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता।।

(2) महार्हशय्यापरिवर्तनच्युतैः  
स्वकेशपुष्पैरपि या स्म द्रूयते।  
अशेत सा बाहुलतोपधायिनी  
निषेदुषी स्थण्डिल एव केवले।।

(3) स्थिताः क्षणं पक्ष्मसु ताडिताधराः  
पयोधरोत्सेधनिपापचूरः णिताः।  
वलीषु तस्यां स्खलिताः प्रपेदिरे  
चिरेण नाभि प्रथमोदबिन्दवः।।

(4) द्वयं गतं सम्प्रति शोचनीयतां  
समागमप्रार्थनया पिनाकिनः।  
कला च सा कान्तिमती कलावतस्  
त्वमस्य लोकस्य च नेत्रकौमुदी।।

**B. ससंदर्भ समजावो. (गमे ते अेक)**

**5**

- (1) कः करं प्रसारयेत्पन्नगरत्नसूचये।  
(2) मनोरथानामगतिर्न विद्यते।

**Q.3** कुमारसंभव सर्ग पांयमानी समीक्षा करो.

**13**

**अथवा**

महाकाव्यना लक्षणो आपी कुमारसंभवनुं महाकाव्य तरीके मूल्यांकन करो.

**13**

**Q.4** टूंकनोध लभो. (गमे ते अे)

**14**

- अ. ब्रह्मचारीप्रसङ्गः।  
ब. पार्वत्याः पात्रालेखनम्।  
क. कालिदासस्य शैली।  
ड. उपमा कालिदासस्य।

\*\*\*\*\*